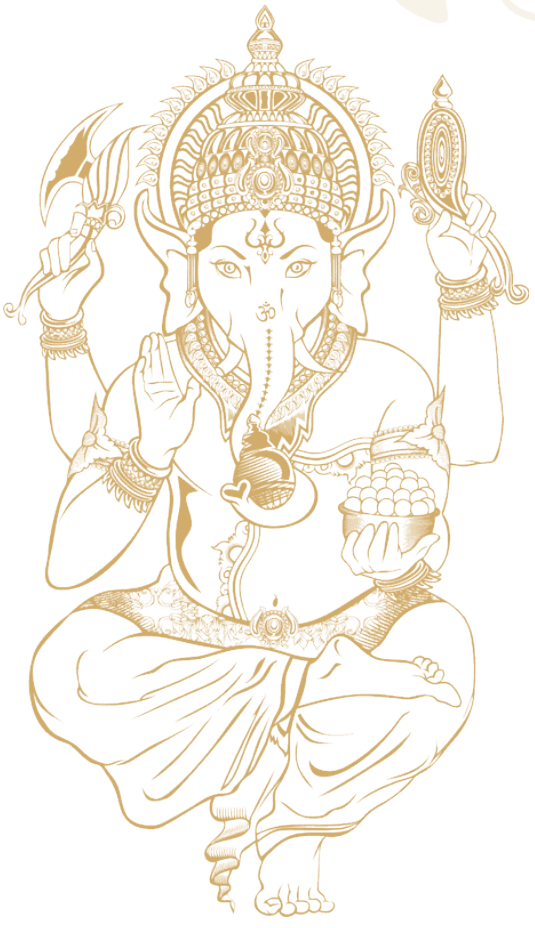

Sujeet rai

08 Jul 1995

09:05 AM

Bihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121813602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/07/1995**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**09:05:00 घंटे**
इष्ट	10:04:22 घटी
स्थान	**Bihar**
देश	India

अक्षांश	26:38:00 उत्तर
रेखांश	84:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:14:36 घंटे
वेलान्तर	-00:04:56 घंटे
साम्पातिक काल	04:17:06 घंटे
सूर्योदय	05:03:15 घंटे
सूर्यास्त	18:47:14 घंटे
दिनमान	13:44:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	21:44:30 मिथुन
लग्न के अंश	13:16:28 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	साध्य
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीरथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	13:16:28	319:10:18	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
सूर्य			मिथु	21:44:30	00:57:11	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	सम राशि
चंद्र			तुला	21:39:23	14:20:00	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल			सिंह	28:33:36	00:33:55	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
बुध			मिथु	02:11:03	01:29:35	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	स्वराशि
गुरु	व		वृश्चि	12:42:50	00:04:29	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	09:43:00	01:13:25	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		मीन	00:57:08	00:00:11	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		तुला	08:56:47	00:01:09	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	08:56:47	00:01:09	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	05:14:08	00:02:19	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	00:36:33	00:01:36	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	04:16:59	00:00:58	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			वृष	12:21:27	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:49

लग्न-चलित

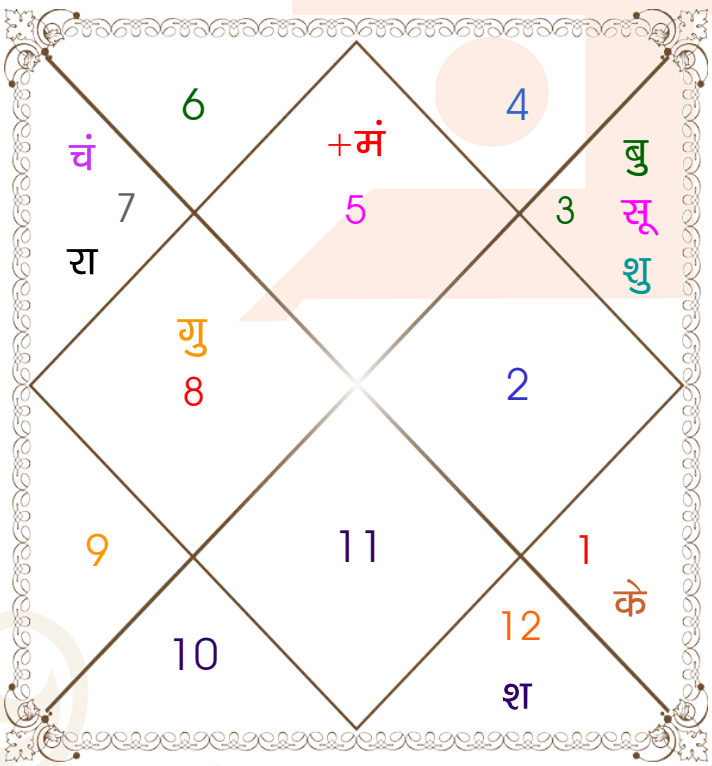

चन्द्र कुंडली

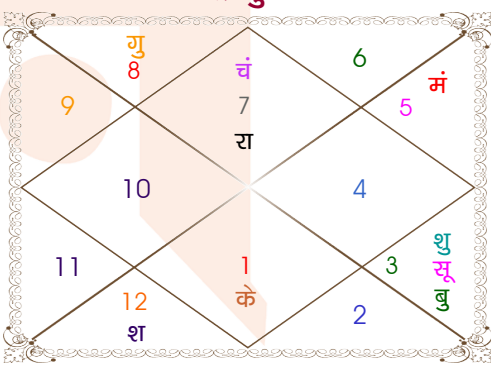

नवमांश कुंडली

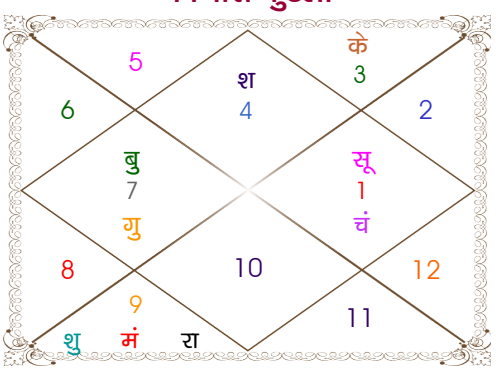

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 14 वर्ष 0 मास 4 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
08/07/1995		12/07/2009		12/07/2028		12/07/2045		12/07/2052	
12/07/2009		12/07/2028		12/07/2045		12/07/2052		12/07/2072	
गुरु	30/08/1995	शनि	15/07/2012	बुध	08/12/2030	केतु	08/12/2045	शुक्र	11/11/2055
शनि	12/03/1998	बुध	25/03/2015	केतु	05/12/2031	शुक्र	07/02/2047	सूर्य	10/11/2056
बुध	17/06/2000	केतु	03/05/2016	शुक्र	05/10/2034	सूर्य	15/06/2047	चंद्र	12/07/2058
केतु	24/05/2001	शुक्र	03/07/2019	सूर्य	12/08/2035	चंद्र	14/01/2048	मंगल	11/09/2059
शुक्र	23/01/2004	सूर्य	14/06/2020	चंद्र	10/01/2037	मंगल	11/06/2048	राहु	11/09/2062
सूर्य	10/11/2004	चंद्र	14/01/2022	मंगल	07/01/2038	राहु	30/06/2049	गुरु	12/05/2065
चंद्र	12/03/2006	मंगल	22/02/2023	राहु	27/07/2040	गुरु	06/06/2050	शनि	12/07/2068
मंगल	16/02/2007	राहु	29/12/2025	गुरु	02/11/2042	शनि	15/07/2051	बुध	13/05/2071
राहु	12/07/2009	गुरु	12/07/2028	शनि	12/07/2045	बुध	12/07/2052	केतु	12/07/2072

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
12/07/2072		12/07/2078		12/07/2088		12/07/2095		13/07/2113	
12/07/2078		12/07/2088		12/07/2095		13/07/2113		00/00/0000	
सूर्य	29/10/2072	चंद्र	13/05/2079	मंगल	08/12/2088	राहु	25/03/2098	गुरु	09/07/2115
चंद्र	30/04/2073	मंगल	12/12/2079	राहु	26/12/2089	गुरु	18/08/2100		00/00/0000
मंगल	05/09/2073	राहु	11/06/2081	गुरु	02/12/2090	शनि	25/06/2103		00/00/0000
राहु	30/07/2074	गुरु	11/10/2082	शनि	11/01/2092	बुध	12/01/2106		00/00/0000
गुरु	19/05/2075	शनि	12/05/2084	बुध	07/01/2093	केतु	30/01/2107		00/00/0000
शनि	30/04/2076	बुध	11/10/2085	केतु	05/06/2093	शुक्र	30/01/2110		00/00/0000
बुध	06/03/2077	केतु	12/05/2086	शुक्र	05/08/2094	सूर्य	25/12/2110		00/00/0000
केतु	12/07/2077	शुक्र	11/01/2088	सूर्य	11/12/2094	चंद्र	24/06/2112		00/00/0000
शुक्र	12/07/2078	सूर्य	12/07/2088	चंद्र	12/07/2095	मंगल	13/07/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 11 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।